www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
25 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 61 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

खामनेई के अंतिम संस्कार शामिल होंगे पीएम मोदी !

- ईरानी राष्ट्रपति ने कर दिया 'खेला', न्योता देकर फंसाया

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के शुरुआती हमले में मारे गए थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने खामेनेई के मौत पर कोई शोक संदेश नहीं जारी किया था। हालांकि, बाद में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भारत सरकार की ओर से शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए नई दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया

था। अभी यह पता नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे या नहीं। इसके पहले मई 2024 में ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद भारत ने एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की थी। रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत ने एक प्रतिनिधिमंडल भेजा था, जिसकी अगुवाई तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने की थी।

4 जुलाई से शुरू होंगे अंतिम संस्कार वाले कार्यक्रम

अली खामेनेई का लंबे समय तक चलने वाला संस्कार उनकी मौत के चार महीने बाद किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 4 जुलाई को तेहरान के ग्रैंड मोसाला कॉम्प्लेक्स में शव को अंतिम दर्शन के लिए रखे जाने के साथ होगी। इसके बाद तेहरान और कोम शहरों में सार्वजनिक जुलूस निकाले जाएंगे। इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला में उनके लिए प्रार्थनाएं पढ़ी जाएंगी।

जिन शिक्षकों पर भरोसा था, उन्होंने धोखा दिया

- नीट यूजी विवाद पर बोले धर्मेंद्र प्रधान, राहुल पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बीते कई दिनों से विवादों में चल रहे नीट यूजी के मामले में अब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों पर परीक्षा को सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से कराने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही इसके साथ धोखा किया और परीक्षा की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया। रविवार को दोबारा हुई नीट परीक्षा के बिना किसी गड़बड़ी के पूरे होने के बाद, शिक्षा मंत्री ने पहली बार इस मुद्दे पर खुलकर बात की।

उन्होंने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शिक्षकों को बहुत संवेदनशील जिम्मेदारियां सौंपी थीं, लेकिन कुछ लोग इस भरोसे को बनाए रखने में नाकाम रहे। उन्होंने 3 मई को हुई पहली परीक्षा में कुछ लोगों द्वारा किए गए विश्वासघात पर दुख जताया,जिसके कारण परीक्षा रद्द करना पड़ा था।

राहुल गांधी पर 'सस्ती राजनीति' का आरोप

इसके साथ ही प्रधान ने विपक्ष की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों का जवाब भी देते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि जब देश के 22 लाख से ज्यादा छात्र दोबारा होने वाली परीक्षा की तैयारी कर रहे थे, तब राहुल गांधी सस्ती राजनीति कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सिस्टम को सुधारने के लिए कोई अच्छा सुझाव देने के बजाय, कांग्रेस सांसद ने छात्रों को डराने और परीक्षा की तैयारियों को भटकाने की कोशिश की, जिससे देश में अराजकता पैदा हो। पेपर लीक विवाद और परीक्षा प्रणाली को लेकर विपक्षी दल लगातार धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए शिक्षा मंत्री ने विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ संगठनों पर भी हमला बोला। जनता ने उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से नकार दिया है।

पाक एयरस्पेस में घुसा एअर इंडिया का विमान

दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ा, तकनीकी खराबी से रास्ता भटका

अमृतसर (एजेंसी)। एअर इंडिया की एक फ्लाइट सोमवार रात रास्ता भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा घुसी। इसे पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने चेतावनी देकर वापस भेजा। विमान ने दिल्ली से उड़ान भरी थी और इसे अमृतसर लैंड होना था। पाकिस्तान के एयर स्पेस से जब फ्लाइट लौटी तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ गया था, ऐसे में इसे वापस दिल्ली भेज दिया गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया है कि तकनीकी खराबी के कारण यह फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले 12 जून को पाकिस्तान की भी पैसेंजर फ्लाइट फ्लाई जिन्ना-9 के 514 खराब मौसम के कारण भारतीय एयरस्पेस में घुस आई थी। लाहौर एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद फ्लाइट रास्ता भटक गई थी। हालांकि, तकनीकी गड़बड़ी का अंदेशा होते ही फ्लाइट को वापस पाकिस्तानी एयरस्पेस में लाया गया।

3 मिनट की देरी से उड़ा था विमान

एयरपोर्ट अथॉरिटी से मिली जानकारी के मुताबिक, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। यह विमान अपने तय समय से 3 मिनट देरी से उड़ा था। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आई। विमान को रात 10 बजकर 30 मिनट पर अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह रूट से भटक गया और पाकिस्तान के एयर स्पेस में जा घुसा। इस बात का पता पायलट को भी तब लगा, जब पाकिस्तान एयर ट्रैफिक अथॉरिटी से विमान को चेतावनी मिलने लगी। इस घटना के तुरंत बाद पायलट ने विमान का रास्ता बदला और यू-टर्न लेकर वापस भारत के एयरस्पेस में आया। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी। समय निकल जाने के बाद विमान अमृतसर की सीमा में पहुंचा, लेकिन ट्रैफिक बढ़ने से विमान को उतरने की परमीशन नहीं मिली। एयरपोर्ट कंट्रोल रूम से विमान को वापस दिल्ली जाने के निर्देश मिले। इसके बाद विमान वापस दिल्ली गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। करीब 2 घंटे बाद दोबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 4 घंटे की देरी से 2 बजकर 20 मिनट पर अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया।

ब्रिक्स की बैठक: विश्व को भारत का बड़ा संदेश

आतंकवाद और ग्लोबल साउथ पर मोदी ने खींच दी बड़ी लकीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए ब्रिक्स देशों को हर तरह से तैयार रहने को आगाह किया है। ब्रिक्स की अध्यक्षता अभी भारत के पास है, इस जिम्मेदारी के तहत इसने सदस्य देशों को

- ब्रिक्स देशों के एनएसए से मुलाकात में भारत का सीधा संदेश

हर उस मुद्दे को लेकर एकजुट रहने का आह्वान किया है, जो संकट भी बन सकता है और साथ मिलकर जिसका आसानी से समाधान भी निकला जा सकता है। भारत का यह नजरिया पहले ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की आपसी बैठक में एनएसए अजीत डोभाल के माध्यम से जाहिर हुआ और फिर जब तमाम सदस्य देशों के एनएसए की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई तो उन्होंने भी बड़ी स्पष्टता के साथ भारतीय दृष्टिकोण उनके सामने रख दिया।

एनएसए की बैठक की अजीत डोभाल ने की अगुवाई

ब्रिक्स देशों के एनएसए की बैठक की अगुवाई भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने की। उन्होंने सदस्य देशों से कहा,हम यहां अलग-अलग महाद्वीप से आए हैं, विभिन्न क्षेत्रों से हैं और यह ऐसा समूह है, जहां हम लोगों के पास विविध तरह का अनुभव है। अजीत डोभाल ने अपने समकक्षों से कहा कि ब्रिक्स सदस्यों को तय करना है कि वे उभरती चुनौतियों का मिलजुल कर कैसे सामना कर सकते हैं। डोभाल ने इस बात से आगाह किया कि सुरक्षा के आधुनिक खतरे तेजी से सीमाएं पार कर रहे हैं और रक्षा के परंपरागत तकनीक और कूटनीतिक फ्रेमवर्क को नाकाम करने लगे हैं।

ग्लोबल साउथ और आतंकवाद पर फोकस

पीएम मोदी ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों के एनएसए से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत के द्वारा ब्रिक्स की अगुवाई करने से ग्लोबल साउथ को लेकर इसकी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य आतंकवाद, साइबर सुरक्षा से लेकर अन्य चुनौतियों से निपटने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस दौरान ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधिमंडल ने 2026 में भारत की ब्रिक्स चेयरशिप के प्रति अपना पूर्ण समर्थन जाहिर किया। भारत की ओर से जो दोनों मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए हैं, उनमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की बात सुनकर पाकिस्तान की नींदें उड़ेंगी, दूसरी तरफ ग्लोबल साउथ की चर्चा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बिल्कुल ही नापसंद है। इस तरह से कहीं न कहीं, ये दोनों मसले इनकी फिर से उभरती दोस्ती के बीच मिर्ची से कम नहीं है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स देशों के एनएसए 22 जून, 2026 से दो दिनों की बैठक के लिए नई दिल्ली में जुटे थे।

भरत तिवारी के लिए बिहार में जुट गई हजारों की भीड़

भोजपुर के बिलौटी में महापंचायत, प्रशांत किशोर भी पहुंचे

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर रविवार को शाहपुर प्रखंड के बिलौटी गांव में आयोजित महापंचायत राजनीतिक और सामाजिक रूप से बड़ा केंद्र बनती जा रही है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सुबह से ही दूर-दूर से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। गांव और आसपास के इलाकों में भरत तिवारी के पोस्टर-बैनर लगाए गए हैं, जबकि कई लोग तिरंगा लेकर और नारेबाजी करते पहुंच रहे हैं। महापंचायत को लेकर सबसे अधिक उत्साह युवाओं में देखने को मिल रहा है। आयोजन स्थल पर अब तक पांच हजार से अधिक लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। बड़ी संख्या में किशोर और युवा वर्ग के लोग न्याय की मांग को लेकर एकजुट नजर आए।

न्याय की मांग को लेकर एकजुट हुए युवा

महापंचायत में पहुंचे युवाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ उनके स्वजन को न्याय दिलाना है। उनका कहना है कि जब तक मामले की निष्पक्ष जांच नहीं होती और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं होती, तब तक आंदोलन विभिन्न चरणों में जारी रहेगा।

'छात्रों की गूंज' को दहशतगर्द बता रहे धर्मेंद्र प्रधान : खरगे

शिक्षा मंत्री पर जमकर भड़के कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के मुद्दे को लेकर हाल ही में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कई मीडिया हाउस को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू के सामने आने के बाद अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि 90 पेपर लीक हुए हैं, करोड़ों छात्रों का भविष्य बरबाद हुआ है, 20 बच्चों ने नीट यूजी लीक की वजह से अपनी जान ले ली, परिवार तबाह हो गए। मोदी सरकार में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कुर्सी पर चिपककर इंटरव्यू देते हुए छात्रों की गूंज को दहशतगर्द बता रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश ये भूला नहीं है कि खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भरी संसद में अन्नदाता किसानों को आंदोलनजीवी और परजीवी की अपमानजनक संज्ञा दी थी, जो इस सरकार से सवाल पूछता है, उसको देशद्रोही बोलते हैं। छात्रों की गूंज पूरे देश में बुलंद होगी। मोदी मंत्री प्रधान को इस्तीफा देना ही पड़ेगा।

एक तरफ प्यार, दूसरी ओर 'हत्या' की साजिश

- पुणे मर्डर कांड में बड़ा खुलासा, पुलिस भी हैरान
- मंगेतर केतन के साथ सिया की कई रोमांटिक पोस्ट

पुणे (एजेंसी)। पुणे में मंगेतर की हत्या करने वाली 20 साल की सिया गोयल ने सोशल मीडिया अकाउंट पर केतन अग्रवाल (26) के साथ कई रोमांटिक पोस्ट किए थे। कभी प्रपोजल की तस्वीरें, कभी फूल देकर प्यार जताने वाले पल, तो कभी डांस और गले मिलने के वीडियो। दोनों की नवंबर में होने वाली शादी की तैयारियां भी सोशल मीडिया पोस्ट का हिस्सा थीं। इस साल फरवरी में सगाई के बाद सिया ने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था- मेरे दिल

को उसका घर मिले एक महीना पूरा हुआ। उसने केतन को टैग भी किया था। पुलिस के मुताबिक, 18 जून को केतन की मौत के दिन लोहगढ़ किले पर एक युवक 33 डिग्री तापमान में हुडी पहनकर आया था। पुलिस ने जांच में इसे ही आधार बनाकर एक-एक कड़ियां जोड़ीं।

बर्थडे पर केतन ने पहले से सेलीब्रेशन शुरू कर दिया

सोशल मीडिया पर सिया और उसके मंगेतर केतन का रिश्ता किसी परफेक्ट लव स्टोरी जैसी थी। 19 जून को सिया का बर्थडे था। केतन ने एक महीने पहले यानी 19 मई से ही काउंटडाउन सेलीब्रेशन शुरू कर दिया था। वह रोज उसे अलग-अलग तरीके से अपनी मंगेतर सरप्राइज देता। सिया सोशल मीडिया पर इसके वीडियो पोस्ट करती थी।

बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर मंगेतर को खाई में धकेला

पुलिस के अनुसार, सिया और चेतन करीब तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे। लेकिन सिया के परिवार ने उसकी शादी केतन से तय कर दी थी। केतन के परिवार के अनुसार, सिया पहले शादी को लेकर संकोच जता चुकी थी और एक बार शादी टालने की बात भी कह चुकी थी। पुलिस के अनुसार, सिया यह शादी नहीं चाहती थी। उसे लगता था मंगतेर केतन उसके और चेतन के बीच आ रहा है। इसलिए उसने केतन को मारने की साजिश रची। वह अपने बर्थडे से एक दिन पहले 18 जून को ट्रैकिंग के बहाने केतन को अपने साथ लोहगढ़ किले लेकर गई। वहां बॉयफ्रेंड चेतन के साथ मिलकर मंगेतर को करीब 400 फीट गहरी खाई में धकेल दिया।

- सिंधु नदी का पानी न मिलने से बेहद परेशान है पाकिस्तान

भारत के खिलाफ साजिश रच रहे पाक आर्मी चीफ

एलओसी पर 35 ड्रोन यूनिट तैनात, जंग छेड़ने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु नदी का पानी रोका, तो पाकिस्तान की परेशानियां बढ़ गई हैं। पाकिस्तान ने यह मसला अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में भी लेकिन वहां भी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। इसके बाद अब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भारत को जंग छेड़ने की धमकी दे रहे हैं। वहीं, आर्मी चीफ आसिम मुनीर जंग की साजिश रचने में जुटे हैं। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की 8 ब्रिगेड ने 35 एंटी ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। पाकिस्तान ने एआई फेंसिंग भी की है।

इसके तहत टारगेटिंग और सर्विलांस को तेज किया गया है। पाकिस्तान ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और काउंटर ड्रोन ग्रिड भी तैयार किया है।

चीन 5वीं जेनरेशन का फाइटर जेट देगा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन ने पाकिस्तान को 36 मल्टी रोल जे-सीरीज फाइटर जेट की सप्लाई की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी एफ-35 जेट का चीनी वर्जन जे-35 भी साल के अंत तक पाकिस्तान को मिलने वाला है। इस जेट की टेस्ट फ्लाइट्स हो चुकी हैं। पाकिस्तान को ड्रोन सप्लाई करने के बाद अब तुर्किये कराची के पास साझा कॉम्बैट ड्रोन असेंबली प्लांट भी लगाया है।

रक्षा मंत्री बोले थे-भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है।

कोलकाता में ढह गया निर्माणाधीन गोदाम

तीन की मौत, 50-55 लोगों के दबे होने की आशंका

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 1.30 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। घटना में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। 50 से 55 लोगों के दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक अभी 4 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कंक्रीट ढलाई का काम चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, रेस्क्यू में कोलकाता पुलिस, डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप, सिविल डिफेंस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज और सेना भी जुटी है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। गैस कटर से लोहे की छड़ों को काटा जा रहा है। मलबे में दबे मजदूरों-कर्मचारियों की चीखें भी सुनाई दे रही हैं, उन्हें जल्द से जल्द रेस्क्यू के प्रयास जारी हैं।

मलबे के नीचे अभी भी कई मजदूर

मिली जानकारी के अनुसार मलबे के नीचे से अभी भी दबे हुए मजदूरों की दर्दनाक चीखें सुनाई दे रही हैं, जिससे अपनों की तलाश में जुटे लोगों का कलेजा कांप उठा है। राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नवान्न में कंट्रोल रूम खोल दिया है। राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नवान्न में कंट्रोल रूम खोल दिया है। जिसके नंबर 1070, 8697981070, 033-22143526/22535185 हैं।

पुलिस ने की हादसे की पुष्टि

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया बुधवार दोपहर के समय तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर स्थित एक निर्माणाधीन गोदाम का शेड अचानक गिर गया। हमारे अधिकारी सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंच गए हैं। घटना के समय साइट पर कई मजदूर काम कर रहे थे, जिसके कारण मलबे के नीचे काफी लोगों के दबे होने की आशंका है।

एक नजर

पुरोला नगर क्षेत्र में सुरक्षा के लिए लगाए जाएंगे अग्निशमन उपकरण

पुरोला। नगर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में नगर पालिका परिषद पुरोला ने पहल शुरू कर दी है। नगर पालिका कार्यालय, मीटिंग हॉल एवं सार्वजनिक लाइब्रेरी सहित परिसर के विभिन्न भवनों में अग्निशमन उपकरण स्थापित किए जाएंगे। इससे किसी भी आपात स्थिति में जन–धन की सुरक्षा की जा सकेगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी प्रदीप दयाल ने बताया कि नगर पालिका द्वारा कुल 20 अग्निशमन उपकरणों की मांग भेजी गई है। इन उपकरणों को नगर पालिका परिसर के विभिन्न महत्वपूर्ण भवनों में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बढ़ती सुरक्षा आवश्यकताओं को देखते हुए यह कदम उठाया गया है जिससे आगजनी जैसी घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

बड़कोट। यमुनोत्री हाईवे पर स्याना चट्टी में निर्माणाधीन बैली ब्रिज के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर स्थानीय लोगों ने सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि पुल के दोनों ओर बनाए जा रहे पिलर और सीसी ब्लॉक निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। ब्लॉक में खुलेआम बड़े पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे निर्माण की मजबूती पर संदेह पैदा हो गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पुल चारधाम यात्रा के दौरान प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों के आवागमन का प्रमुख माध्यम बनेगा। इसके अलावा क्षेत्रीय लोगों की आवाजाही भी इसी पुल पर निर्भर रहेगी। ऐसे में निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में गंभीर खतरा साबित हो सकती है। गत वर्ष आपदा के दौरान स्याना चट्टी क्षेत्र में जलभराव और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ था। आगामी बरसात को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से यहां वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बैली ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं कर रही है और पुल के दोनों ओर बनने वाले पिलर की मजबूती को लेकर आवश्यक सावधानी नहीं बरती जा रही है।

डुंडा अस्पताल के बाहर जर्जर भवन में पसरा है बॉयो मेडिकल वेस्ट

उत्तरकाशी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुंडा में एकत्रित होने वाले बॉयो मेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। वहां पर कूड़ा निस्तारण के लिए वाहन नहीं होने के कारण अस्पताल का पूरा कूड़ा खुले में पसरा हुआ है। इससे आसपास के पर्यावरण के साथ ही आवासीय बस्ती आदि क्षेत्रों में प्रदूषण और बीमारी का खतरा बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सफाई व्यवस्था की हकीकत पीएचसी डुंडा बयां कर रहा है। वहां पर पहले सफाई कर्मी की समस्या है तो उसके बाद अस्पताल का बॉयोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। कूड़ा अस्पताल के सामने जर्जर भवन के भीतर बिखरा है।

डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाई गई स्टील पुल की सामग्री

पुरोला। खलाड़ी गांव की छानियों के समीप कमल नदी पर आपदा में क्षतिग्रस्त हुआ पैदल स्टील पुल की सामग्री के अवशेष को डेढ़ दशक बाद भी नहीं हटाया जा सका है। नदी के बीच पड़े पुल के लोहे के कारण हर बरसात में नदी का बहाव प्रभावित हो रहा है जिससे दोनों ओर की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है। इसको लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2010–11 की आपदा में खलाड़ी छानी और चक चंदेली के बीच कमल नदी पर बना पैदल स्टील पुल क्षतिग्रस्त होकर नदी में गिर गया था। इसके बाद से लोनिवि की ओर से पुल के अवशेष नहीं हटाए गए। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने पर पुल के लोहे से पानी का बहाव अवरुद्ध होता है और नदी का रुख खेतों की ओर मुड़ जाता है जिससे खलाड़ी, पुजेली, चपटाड़ी, सरमाली और आराकोट क्षेत्र की कृषि भूमि का लगातार कटाव हो रहा है।

काश्तकारों का कहना है कि पिछले डेढ़ दशक में सैकड़ों नाली उपजाऊ भूमि नदी में समा चुकी है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ–साथ आजीविका पर भी संकट खड़ा हो गया है। काश्तकार बलदेव रावत, हकुमत रावत और फकीरचंद रावत, रविन्द्र सजवाण, पवन सजवाण ने बताया कि भूमि कटाव और फसलों को हो रहे नुकसान के संबंध में कई बार विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बबीता पांडे का सुराग नहीं

उत्तरकाशी। दयारा बुग्याल ट्रैक पर लापता बबीता पांडे मामले में पुलिस सहित खोज–बचाव टीम ने दोबारा नए सिरे से जांच व खोजबीन शुरू कर दी है। रेसक्यू टीम की ओर से नटीण के घने जंगलों में भालू आवासीय संभावित क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही जंगल के बीच में खुदे हुए स्थानों को खोदकर और पानी के टैंक के भीतर भी तलाश की गई। बीते माह 29 मई को रामनगर की बबीता पांडे दयारा बुग्याल के गोई से अचानक लापता हो गई थी। सूचना मिलने पर वन विभाग सहित पुलिस और एसडीआरएफ ने खोज–बचाव अभियान शुरू किया। लेकिन युवती का कुछ पता नहीं लग पाया। उसके बाद जिला प्रशासन की ओर से लापता को ढूंढने के लिए एनडीआरएफ, आईटीबीपी और सेना और नेहरू पर्वतारोहण संस्थान को अभियान में शामिल किया। साथ ही हेलीकॉप्टर के माध्यम से भी वहां पर खोज अभियान चलाया गया। लेकिन उसका कहीं भी कोई सुराग नहीं लग पाया।

इस बीच पुलिस ने उसके अपहरण के मामले में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और तकनीकी जांच भी शुरू की। लेकिन उसके बाद भी सफलता नहीं मिली। इस पर रेस्क्यू टीम की संख्या घटा दी गई। पिछले कुछ दिनों से रेसक्यू अभियान को धीमा कर दिया गया था। लेकिन मंगलवार को एक बार फिर अभियान की नेतृत्व कर रहे सीओ जनक सिंह पंवार सहित सीओ बड़कोट चंचल शर्मा पुलिस, वन विभाग, एसडीआरएफ और क्यूआरटी टीम के साथ दोबारा लापता को ढूंढने पहुंचे इस बार उन्होंने दयारा ट्रैक के बांई ओर नटीण के घने जंगलों में भालू आवास संभावित क्षेत्रों में तलाश शुरू की गई है। साथ ही जंगल के बीच बने पानी के टैंक में भी लापता युवती को ढूंढा गया। टीम की ओर से जंगल के बीच खुदे हुए स्थानों को दोबारा पानी डालकर खोदा गया।

मुख्यमंत्री धामी से पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट ने की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में बुधवार को लोकसभा सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी एवं श्री अजय भट्ट के मध्य विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा भी हुई।

खैरना में बनेगा टू–लेन पुल

गरमपानी(नैनीताल)। खैरना–बेतालघाट स्टेट हाईवे पर जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए खैरना में शिप्रा नदी के ऊपर 90 मीटर का टूलेन पुल निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग ने 8.50 करोड़ की डीपीआर तैयार कर शासन भेज दी है। शासन से बजट जारी होने के साथ टू–लेन पुल बनने के बाद क्षेत्र में जाम की समस्या दूर हो जाएगी। लोनिवि नैनीताल के अधिशासी अभियंता हीरा सिंह बिष्ट ने बताया कि पुल निर्माण के लिए साढ़े आठ करोड़ की डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी है। उन्होंने कहा कि टू–लेन पुल बनने के बाद मझेड़ा सिमलखा, धनियाकोट, सीम, बजेड़ी, व्यासी, नौणा, बारगल, गरजोली, खैरना, भुजान, रानीखेत, हल्द्वानी और अल्मोड़ा की तरफ से आने और जाने वाले यात्रियों और सैलानियों को लाभ मिलेगा।

खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली में घुसी स्कूटी, दंपती समेत पांच वर्षीय बालक की मौत

देहरादून। हरिद्वार के श्यामपुर थाना क्षेत्र में हरिद्वार–नजीबाबाद हाईवे पर मंगलवार देर रात सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। दादा–दादी और पांच वर्षीय पोती की मौत के बाद परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस के अनुसार, घटना देर रात की है। जब श्यामपुर के गाजीवाली निवासी वीर सिंह अपनी पत्नी मंजू और पांच वर्षीय पोती शिव सिंह के साथ स्कूटी से हरिद्वार की ओर से घर लौट रहे थे। देर रात कांगड़ी फ्लाईओवर के पास उनकी स्कूटी सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने तक तीनों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान वीर सिंह (53) पुत्र मोहर सिंह, मंजू (50) पत्नी वीर सिंह और शिव सिंह (5) पुत्र अनुज सिंह निवासी ग्राम गाजीवाली, थाना श्यामपुर के रूप में हुई है। सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि अंधेरा और ट्रैक्टर–ट्रॉली का सड़क किनारे खड़ा होना हादसे का कारण हो सकता है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

सीएचसी में पांच साल से विशेषज्ञ डॉक्टरों के पांच पद रिक्त

थत्यूड़ (टिहरी)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पांच साल से विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं हो पाई है। सालभर पहले अस्पताल में एक दंत चिकित्सक की नियुक्ति हुई थी लेकिन उसके कुछ समय बाद ही वह पीजी करने चली गई। स्थानीय लोगों की ओर से लगातार मांग करने पर महीने में दूसरे और चौथे बृहस्पतिवार को हड्डी रोग विशेषज्ञ और फिजिशियन नियुक्त किए गए हैं। स्थानीय लोगों ने सभी रिक्त पदों पर स्थायी नियुक्ति करने की मांग की है। थत्यूड़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होने के बावजूद क्षेत्र के लोगों को उपचार के लिए मसूरी–देहरादून के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। अस्पताल में डाक्टरों के 10 पद स्वीकृत हैं लेकिन उनमें से बाल रोग विशेषज्ञ, सर्जन, महिला रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन और दंत चिकित्सक का पद चार–पांच साल से रिक्त चल रहा है। अस्पताल में लंबे समय से एक साल पहले दंत रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति हुई थी। लेकिन ज्वाइन करने के कुछ दिनों बाद ही वह डॉक्टर पीजी करने चले गए। अब वह मार्च 2027 तक लौटेंगी। इस कारण लोगों को सीएचसी स्तर के चिकित्सालय में दांत का उपचार भी नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों की ओर से लगातार मांग करने पर विभाग ने महीने के दूसरे और चौथे बृहस्पतिवार को हड्डी रोग विशेषज्ञ और फिजिशियन की व्यवस्था की है बावजूद इससे मरीजों को परेशानियों का सामना करना ही पड़ रहा है।

जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में युवाओं हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में सपना राणा ने मुलाकात की। सुश्री सपना राणा द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर भाषा परीक्षा उर्तीण की गई, जिसके उपरान्त उनको जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में 3060 यूरो (3,30,000) प्रतिमाह के वेतन पर नियुक्ति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत गठित विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा अन्तराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों से राज्य के युवाओं को जोड़े जाने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा राज्य के युवाओं को जापान एवं जर्मनी में सेवायोजित किये जाने हेतु भाषा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक करीब 65 युवाओं को जापान में सेवायोजित किया जा चुका है। कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में युवाओं हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध है। जिसके दृष्टिगत प्रकोष्ठ द्वारा जर्मन भाषा का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। इसी प्रशिक्षण को प्राप्त करने के उपरान्त टिहरी गढवाल की नर्सिंग प्रशिक्षित युवा महिला सुश्री सपना राणा का जर्मनी में नर्स के रूप में चयन हुआ है। सुश्री सपना द्वारा अपनी स्कूली शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय पोखाल टिहरी गढवाल से तथा नर्सिंग की शिक्षा स्टेट नर्सिंग कॉलेज देहरादून से प्राप्त की गई। सुश्री सपना द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में नियुक्ति प्राप्त हुई है। इस अवसर पर सचिव श्री सी. रविशंकर भी मौजूद रहे।

निशानेबाज जसपाल राणा की त्रयोदशी में पहुंचे राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून के मझौन गांव पहुंचकर प्रसिद्ध निशानेबाज एवं पद्मश्री से सम्मानित स्वर्गीय जसपाल राणा के त्रयोदशी संस्कार में भाग लिया। इस दौरान दोनों नेताओं ने स्वर्गीय जसपाल राणा को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वर्गीय जसपाल राणा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि जसपाल राणा ने भारतीय निशानेबाजी को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके खेल जगत में दिए गए योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने स्वर्गीय राणा के परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए भगवान से प्रार्थना की कि इस कठिन समय में परिवार को दुख सहने की शक्ति और संबल प्रदान करें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी स्वर्गीय जसपाल राणा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने उत्तराखंड और देश का नाम राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियां हमेशा प्रेरणा के रूप में याद रखेंगी। त्रयोदशी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, खेल प्रेमी और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सौरव बहुगुणा और खजान दास, सांसद डॉ. महेश शर्मा, अजय भट्ट, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, विधायक पंकज सिंह समेत कई गणमान्य लोगों ने भी स्वर्गीय जसपाल राणा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में कराए जा रहे पुनर्निर्माण कार्य जल्द पूरा करें : डीएम

नई टिहरी। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे पुनर्निर्माण एवं राहत कार्यों का निरीक्षण करने के लिए डीएम नितिका खंडेलवाल ने सकलाना क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने चिफल्टी में पीएमजीएसवाई के तहत निर्माणाधीन ट्रॉली पुल, भुत्सी में बांदल नदी पर बनाए जा रहे लाल पुल और रगड़ गांव इंटर कॉलेज में बनाए जा रहे प्री–फेब्रिकेटेड भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत चिफल्टी के ग्रामीणों ने डीएम को आवागमन की समस्या से अवगत कराते हुए पुल के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने बताया कि पुल नहीं होने के कारण आस–पास के 10 गांव प्रभावित हो रहे हैं। बारिश और आपदा के समय आवागमन की गंभीर समस्या पैदा हो जाती है। पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता गणेश नौटियाल ने बताया कि पुल का स्पान बढ़ने के कारण ज्यादा समय लग गया। पुल का निर्माण कार्य दिसंबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। डीएम ने पुल का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के लिए अभियंता को नियमित देखरेख करने के निर्देश दिए। भुत्सी के सीतापुर में बांदल नद पर बनाए जा रहे लाल पुल को लेकर लोनिवि ने कहा कि 27 मीटर स्पानन और 1.5 मीटर चौड़ाई वाले इस पुल का कार्य करीब 70 प्रतिशत हो गया है।

पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सभासदों ने ली शपथ

नरेंद्रनगर (टिहरी)। नगर पालिका नरेंद्रनगर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और वार्ड सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वन एवं स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने किया। उन्होंने नवनिर्वाचित बोर्ड के जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।शोभन सिंह नेगी सामुदायिक मिलन केंद्र में बुधवार को आयोजित शपथ समारोह में स्वास्थ्य मंत्री उनियाल ने कहा कि किसी भी शहर, राज्य और देश का विकास तभी संभव है, जब जनप्रतिनिधि दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर कार्य करें। विकास की सोच के साथ किए गए कार्यों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचता है। नरेंद्रनगर नगर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शहर की पहचान उत्तराखंड के अग्रणी नगरों में होने लगी है। बाहर से आने वाले पर्यटक भी यहां हुए विकास कार्यों की सराहना करते हैं। इससे पहले एसडीएम आशीष चंद्र घिल्डियाल ने नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार, सभासद ममता पुष्पा राणा, रेखा आर्य, साकेत बिजल्वाण, सचिन भंडारी, रविंद्र नेगी, आभा पंवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष पंवार ने कहा कि नगर की जनता ने विकास कार्यों के प्रति उनकी सोच और कार्यशैली पर विश्वास जताते हुए उन्हें पुनः जिम्मेदारी सौंपी है।

चारागाह भूमि बचाने को दूसरे दिन भी क्रमिक अनशन पर डटे रहे ग्रामीण

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के बौर और राम गांव की चारागाह भूमि की प्रस्तावित नीलामी के विरोध में स्थानीय लोगों का आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। पैतृक भूमि को बचाने की मांग को लेकर ग्रामीण बुधवार को दूसरे दिन भी सुल्याधार में क्रमिक अनशन पर डटे रहे। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नीलामी प्रक्रिया निरस्त नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से बौर और राम गांव की करीब 80 नाली चारागाह भूमि की नीलामी के लिए हाल ही में निविदाएं आमंत्रित की गई थी। ग्राम पंचायतों की सहमति के बिना भूमि नीलामी की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी मिलने पर क्षेत्र के लोग गुस्से में है। विरोध में 19 जून से स्थानीय लोग आंदोलनरत हैं। पैतृक भूमि संरक्षण समिति के बैनर तले बीते दिन से सुल्याधार में क्रमिक अनशन शुरू किया, जो बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में वक्ताओं ने सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना है सरकार भू–कानून लागू होने का दावा कर प्रदेश की भूमि को सुरक्षित रखने की बात कर रही है वहीं दूसरी ओर गांवों की चारागाह भूमि को नीलामी के माध्यम से बेचने की तैयारी की जा रही है।

पर्वतीय क्षेत्रों में एक जुलाई से मिलेगा तीन माह का अग्रिम राशन

देहरादून। राज्य सरकार ने आगामी मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में खाद्यान्न आपूर्ति की विशेष व्यवस्था की गई है। एक जुलाई से इन क्षेत्रों में तीन महीने का राशन एक साथ वितरित होगा।

बरसात के मौसम में अक्सर रास्ते बंद होने से संपर्क टूटने की आशंका रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अग्रिम वितरण किया जा रहा है। शासन से मिली जानकारी के अनुसार, पर्वतीय जनपदों के सुदूर और बेहद दुर्गम क्षेत्रों के सरकारी गोदामों में तीन महीने का खाद्यान्न पहले ही पहुंचा दिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि यदि सड़कें बंद होती हैं, तब भी आम जनता को राशन के लिए परेशानी न हो।

परिवहन व्यवस्था बाधित होने पर भी आपूर्ति सुचारु रहेगी। चारधाम यात्रा मार्ग से जुड़े जनपदों में खाद्यान्न आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इन मार्गों पर स्थित गोदामों में शत–प्रतिशत राशन की आपूर्ति पूरी कर ली गई है। विभाग ने सभी जिला आपूर्ति अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्हें राशन की उपलब्धता और वितरण प्रणाली पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखनी होगी।

अपर आयुक्त खाद्य पीएस पांगती ने बताया कि मानसून को देखते हुए पर्वतीय जनपदों में जुलाई, अगस्त और सितंबर माह का राशन समय से भेजने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो गई थी। उन्होंने कहा कि सभी खाद्यान्न गोदामों में तीन माह का राशन पहुंच चुका है। एक जुलाई से राशन डीलरों के माध्यम से इसका वितरण प्रारंभ होगा। जुलाई माह के दौरान ही तीनों महीनों का राशन उपभोक्ताओं को वितरित किया जाएगा। यह वितरण समयबद्ध तरीके से होगा।

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण की तिथि बढ़ी

नैनीताल। कुमाऊंविश्वविद्यालय के परिसर और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्र–छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए बीए एलएलबी, बीए एलएलबी (ऑनर्स) और बीबीए एलएलबी में ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया है। अब लॉ के छात्र चार जुलाई तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। समर्थ की नोडल अधिकारी डॉ. उमंग सैनी ने बताया कि सामान्य स्नातक स्तर के अन्य सभी पाठ्यक्रमों (जैसे बीए, बीएससी, बीकॉम आदि) के लिए पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। प्रवेश से चूके छात्र–छात्राएं तय समयसीमा के भीतर पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

एक नजर

सुंदरकांड पाठ का किया आयोजन

श्रीनगर गढ़वाल : संकट मोचन सेवा दल कमलेश्वर की ओर से 107वां सुंदरकांड पाठ गोपाल डुडेजा के आवास पर आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और हनुमान की आराधना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। संकट मोचन सेवा दल के अध्यक्ष भगवती सिंह कठैत ने बताया कि संकट मोचन सेवा दल की ओर से 108वां सुंदरकांड पाठ किसी मंदिर या शिवालय में विशेष रूप से आयोजित किया जाएगा। समिति के सदस्य राजेंद्र प्रसाद बड़थ्वाल ने कहा कि भविष्य में भी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से सुंदरकांड पाठ किए जाएंगे। इस अवसर पर मेयर आरती भंडारी, सुषमा बड़थ्वाल, सुमन डुडेजा, उमा जोशी, किरण कावड़ा, किरण किंग्गर, गोपाल डुडेजा आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

आपातकालीन सेवाओं के दुरूप्रयोग का मामला, वीडियो वायरल

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा मार्ग पर आपातकालीन सेवाओं के खुलेआम दुरुपयोग का मामला सामने आया है। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर देवप्रयाग के पास सड़क किनारे खड़ी एक एंबुलेंस में मरीजों की जगह कुछ युवक सूटकेस और ट्रैवल बैग लोड करते रहे और उसमें सवार हो गए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामले में क्षेत्र के पूर्व प्रधान दीपक बेडवाल ने कड़ी आपत्ति जताई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। उन्होंने वायरल वीडियो के आधार पर मामले में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में आपातकालीन समय में मरीजों को एंबुलेंस मिलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी ओर कुछ लोग नियमों को ताक पर रखकर जीवनदायिनी सेवाओं को कमाई का जरिया बना रहे हैं। (एजेंसी)

चारधाम यात्रा के लिए 20 अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू

कर्णप्रयाग। चारधाम यात्रा मार्ग पर वाहनों की कमी दूर करने के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम ने 20 अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू किया है। यह पहल चमोली जिले के परिवहन विभाग ने की है। इससे तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को राहत मिलेगी। धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी आनंद जायसवाल ने बताया कि उत्तराखंड परिवहन निगम के अधिकारियों और स्थानीय ट्रांसपोर्ट यूनियनों से इस संबंध में बात की गई थी। ये बसें देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी डिपो से संचालित होना शुरू हो गई हैं। कुल 20 बसों में से 15 ऋषिकेश से बदरीनाथ के लिए हैं जो तीर्थयात्रियों को सीधे धाम पहुंचाएंगी। तीन बसें नैनीताल से गोपेश्वर और दो हल्द्वानी से कर्णप्रयाग तक चलेंगी। यह सेवा चारधाम यात्रा अवधि तक जारी रहेगी।

आधुनिक खेती के बारे में किया जागरूक

जिलासू। कृषि, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र ग्वालदम के वैज्ञानिकों ने तहसील मुख्यालय पर जागरूकता बैठक आयोजित की। बैठक में आधुनिक खेती, प्राकृतिक कृषि, फसल सुरक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

बुधवार को आयोजित बैठक में प्रधान सोहन लाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में मिलने वाली जानकारी कृषि एवं कृषकों के लिए लाभदायी होती है। गृह विज्ञान विशेषज्ञ दीप्ति कोठारी ने पोषण और खाद्य सुरक्षा का महत्व बताया। पौध संरक्षण विशेषज्ञ हिना कौसर ने फसल रोगों की रोकथाम, पशुपालन विभाग की अनीता बिष्ट ने खेती और जैविक खाद के लाभ, कृषि विभाग के ताजबर सिंह ने हरित क्रांति, उद्यान विभाग के कुलदीप सिंह सजवाण ने पॉलीहाउस के बारे में बताया। बैठक का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना था। कार्यक्रम में पुष्कर सिंह, पुष्पा मैठाणी, मेघा तिवाड़ी, मदन लाल सहित कई किसान मौजूद रहे।

बदहाल धर्मशाला के पुनर्निर्माण की मांग

कर्णप्रयाग। गौचर नगर पालिका ने तीन दशक से बदहाल पड़े बाबा काली कमली धर्मशाला का पुनर्निर्माण करने का प्रस्ताव दिया है। पालिका ने इसके लिए बाबा काली कमली संस्था को पत्र लिखकर अनुमति मांगी है। यह आश्रम बदरीनाथ हाईवे पर गौचर के मुख्य बाजार में स्थित है और लंबे समय से अनुपयोगी पड़ा है। नगर पालिका के अनुसार संस्था स्वयं भवन का जीर्णोद्धार करे। यदि संस्था ऐसा करने में असमर्थ है तो पालिका स्वयं इसे संवारने का काम करेगी। ब्रिटिश काल में बना यह दो मंजिला भवन कभी चारधाम यात्रियों के लिए विश्राम स्थल था। यहां करीब बीस से अधिक कमरे हैं जो रखरखाव के अभाव में जर्जर हो गए हैं। वर्तमान में यह बदहाल पड़ा है जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। नगर पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी ने कहा कि पालिका नगर में बढ़ते यातायात और पार्किंग की समस्या को देखते हुए इसका पुनर्निर्माण करना चाहती है। नेगी ने संस्था से जल्द निर्णय या सहमति पत्र देने का आग्रह किया है। वहीं पूर्व ज्येष्ठ उपप्रमुख प्रदीप चौहान ने भी धर्मशाला के पुनर्निर्माण का समर्थन किया।

रोहित ने गायन और एनिमो मिलन ने नृत्य प्रतियोगिता का खिताब जीता

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय में आयोजित गंगोत्री गोट टैलेंट के दूसरे सीजन में गायन प्रतियोगिता में रोहित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब जीता। दूसरी ओर नृत्य में एनिमो मिलन ने अपनी कला के दम पर पहला स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रथम सहित द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को नगद पुरस्कार राशी और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। जिला ऑडोटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय गंगोत्री गोट टैलेंट की गायन प्रतियोगिता में 28 और नृत्य में 26 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसके बाद सेमिफाइनल राउंड में गायन में 20 और नृत्य में 21 प्रतिभागियों का चयन किया गया। फाइनल राउंड के लिए दोनों प्रतियोगिताओं में दस–दस प्रतिभागियों का चयन किया गया।

सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार पर धमके हाथी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मंगलवार रात श्री सिद्धबली मंदिर के प्रवेश द्वार पर हाथियों का झुंड धमक गया। आसपास मौजूद लोगों ने हथियों की चहल कदमी का वीडियों बनाकर उसे सोशल मीडिया पर डाला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने हाथियों को वापस जंगल में खदेड़ा। वहीं, सिद्धबली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास गुलदार की भी धमक बनी हुई है। दो दिन पूर्व गुलदार ने एक व्यक्ति पर भी हमला कर दिया था।

जंगल से सटे रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। रात करीब 11 बजे हाथियों का झुंड वन क्षेत्र से निकलकर सड़क की ओर आ गया और धीरे-धीरे मंदिर के प्रवेश द्वार तक पहुंच गया। सौभाग्य से उस समय मार्ग पर वाहनों की आवाजाही नहीं थी, जिससे किसी अप्रिय घटना की आशंका टल गई। पुल पर मौजूद कुछ लोगों ने हाथियों की गतिविधियों को अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए हाथियों के झुंड को सुरक्षित रूप से वापस जंगल की ओर भेज दिया। सिद्धबली मंदिर का बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र से लगा होने के कारण यहां

सिद्धबली के समीप प्रवेश द्वार में घूमते हाथी

अक्सर जंगली जानवरों की मौजूदगी देखी जाती है। वहीं, मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में हाथियों के साथ-साथ गुलदार की सक्रियता भी लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। दो दिन पहले राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप एक नेपाली मूल के व्यक्ति पर गुलदार के हमले की घटना सामने आई थी। हाल ही में ग्रास्टनगंज क्षेत्र में एक गुलदार द्वारा घर के बाहर घूम रहे कुत्ते को उठा ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था।

रेशनलाइजेशन प्रक्रिया में कई कर्मचारी पदोन्नति और वित्तीय लाभों से वंचित

श्रीनगर गढ़वाल : एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद ने प्रस्तावित रेशनलाइजेशन रिव्यू के तहत कर्मचारियों के सेवा हितों की रक्षा, लंबित पदोन्नतियों, वित्तीय लाभों और कैडर पुनर्गठन से जुड़ी विसंगतियों के समाधान की मांग कुलपति से की। उन्होंने कहा कि पूर्व में लागू की गई रेशनलाइजेशन (पदनाम एवं वेतनमान संशोधन) प्रक्रिया के कारण कर्मचारियों को पदोन्नति, वित्तीय लाभ और सेवा अधिकारों के मामलों में लगातार नुकसान उठाना पड़ा है। परिषद के महासचिव रविन्द्र सिंह सिलवाल ने कहा कि वर्ष 2009 में विवि को केंद्रीय विवि का दर्जा मिलने के बाद लागू रेशनलाइजेशन प्रक्रिया में कई कर्मचारी आज भी पदोन्नति और वित्तीय लाभों से वंचित हैं। उन्होंने केंद्रीय विवि अधिनियम-2009 की भावना के अनुरूप कर्मचारियों के सेवा हितों की रक्षा, शासन के विभिन्न शासनादेशों का लाभ सभी पात्र कर्मचारियों को देने, 1900 ग्रेड पे से 2400 ग्रेड पे तक के वित्तीय लाभ, वर्ष 2009 से 2017 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को काल्पनिक पदोन्नति (नोटशनल प्रमोशन) एवं पेंशन संबंधी लाभ देने आदि की मांग उठाई। परिषद का कहना है कि एलडीसी और यूडीसी पदों के अनुपात में भारी असंतुलन के कारण बड़ी संख्या में कर्मचारी पदोन्नति से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कुलपति से अनुरोध किया है कि इन सभी मांगों को प्रस्तावित रेशनलाइजेशन रिव्यू समिति, कार्यपरिषद, यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय के समक्ष विवि के अधिकृत पक्ष के रूप में रखा जाए, ताकि कर्मचारियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान हो सके। (एजेंसी)

संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें : आयुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप ने बुधवार को आयुक्त कार्यालय के वीसी कक्ष से गढ़वाल मंडल के जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ वर्चुअल माध्यम से मोहर्रम पर्व की तैयारियों और फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। आयुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने, ताजिया कमेटियों, धर्मगुरुओं और स्थानीय व्यक्तियों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्द के वातावरण में संपन्न कराया जाए। कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मोहर्रम को देखते हुए आयुक्त ने सभी जनपदों में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि देहरादून एवं हरिद्वार जनपदों में विभिन्न स्थानों पर मोहर्रम जुलूस प्रस्तावित है, जबकि टिहरी गढ़वाल में एक स्थान पर जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को होटल, अस्पताल, मॉल, कोचिंग संस्थानों, कार्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन किया जाए। साथ ही फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच की जाए। आयुक्त ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से संभावित अग्निकांड एवं अन्य आपदा स्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

राष्ट्रीय दलों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान, ग्रामीणों ने ली सदस्यता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने प्रदेशवासियों से राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के खिलाफ एकजुट होकर क्षेत्रीय विकल्प को मजबूत बनाने का आह्वान किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड के समग्र विकास और पहाड़ों की समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्रीय दल का सत्ता में आना आवश्यक है। सम्मेलन के दौरान सैकड़ों ग्रामीणों ने उक्रांद की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

रिखणीखाल में आयोजित सदस्यता एवं जनजागरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस ने विकास के नाम पर जनता को केवल आश्वासन दिए हैं, जबकि जमीनी स्तर पर अपेक्षित बदलाव नहीं दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण पहाड़ों से पलायन लगातार जारी

आयोजित सभा में भाग लेते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

है और अब जनता राष्ट्रीय दलों से जवाब मांगने के लिए तैयार है। जयहरीखाल ब्लॉक अध्यक्ष संदीप रौतेला ने कहा कि संगठन को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना समय की मांग है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए विशेष रणनीति तैयार की जाएगी। सम्मेलन में नैनीडांडा ब्लॉक अध्यक्ष सीपी मधवाल, भजनलाल, गब्बर सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

पार्षदों ने उठाई कूड़ा निस्तारण के स्थायी समाधान की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में कूड़ा निस्तारण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। एक ओर जहां हल्दूखाता के कंचनपुरी में लोग प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड का विरोध कर रहे हैं। वहीं, गाड़ीघाट में संचालित हो रहे ट्रेंचिंग ग्राउंड को भी आबादी से अलग शिफ्ट करने की मांग उठ रही है। पार्षदों ने महापौर से कूड़ा निस्तारण की स्थायी व बेहतर व्यवस्था बनाने की मांग की है।

इस संबंध में पार्षदों ने महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन दिया। पार्षदों ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या का स्थायी समाधान तलाशने के लिए विभिन्न वार्डों में कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर शीघ्र कार्य शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि बढ़ती आबादी और शहरी विस्तार के कारण प्रतिदिन बड़ी मात्रा में ठोस अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है, जबकि पर्याप्त

महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को ज्ञापन देते पार्षद

निस्तारण सुविधाओं के अभाव में कई स्थानों पर कूड़ा जमा होने से स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पार्षदों ने कहा कि कूड़े के अनियंत्रित ढेर न केवल पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में नगर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीक आधारित कूड़ा निस्तारण केंद्रों की स्थापना समय की मांग है। ज्ञापन में नगर निगम प्रशासन से मांग की गई कि सभी वार्डों में उपयुक्त स्थलों का चयन कर आधुनिक कूड़ा निस्तारण केंद्र स्थापित किए जाएं। साथ ही कूड़े के संग्रहण और निस्तारण की वैज्ञानिक व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस मौके पर पार्षद विपिन डोबरियाल, अनिल रावत, संजय भंडारी, हिमांशु वर्मा, नईम अहमद, जय प्रकाश ध्यानी, अरविंद बनियाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

पूर्ति विभाग ने मारा छापा, चार घरेलू गैस सिलिंडर जब्त

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करने के लिए पूर्ति विभाग ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीत से फरासू तक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

विभागीय टीम ने 14 प्रतिष्ठानों की जांच कर अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की। पूर्ति निरीक्षक विजय कुमार कैंतुरा के नेतृत्व में गठित टीम ने होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान एक प्रतिष्ठान में घरेलू उपयोग के चार गैस सिलिंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर उन्हें जब्त कर लिया गया।

कर्णप्रयाग प्रकरण की निष्पक्ष जांच चमोली पुलिस से कराई जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : यूकेडी ने कर्णप्रयाग विवाद मामले की जांच हरिद्वार स्थानांतरित किए जाने और नगरासू गुरुद्वारा प्रकरण में कथित रूप से शामिल निहंगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर कड़ी आपत्ति जताई। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच चमोली पुलिस से कराने की मांग की। चेतावनी दी यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय प्रवक्ता अरुण नेगी ने कहा कि कर्णप्रयाग में हुई घटनाओं के संबंध में दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई और जांच को जिले से बाहर स्थानांतरित करना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पथराव और शांति व्यवस्था प्रभावित करने जैसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यूकेडी के अचल नेगी ने कहा कि नगरासू गुरुद्वारे में डेरा डाले निहंगों को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के जाने देना कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाता है। इस मौके पर राहुल राणा, जसपाल नेगी, विक्की बिष्ट आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ठेली लगाने को लेकर विवाद, बीच बाजार दो युवकों में मारपीट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : झंडाचौक के समीप गोखले मार्ग में ठेली लगाने को लेकर दो युवकों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों युवक बीच सड़क पर हथापाई करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों के खिलाफ शांति भंग के तहत कार्रवाई की है।

मंगलवार शाम गोखले मार्ग पर ठेली लगाने को लेकर लेकर दो युवकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। पहले दोनों के बीच तीखी नोकझोंक और गाली-गलौज हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला हाथापाई तक पहुंच गया। मारपीट बढ़ती देख आसपास के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने दोनों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन विवाद थमने के बजाय और उग्र हो गया। आरोप है कि दोनों युवक डंडे लेकर आए और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। बीच सड़क पर हुई इस घटना से कुछ समय के लिए बाजार में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर

कोतवाली पुलिस की हिरासत में मारपीट करने वाले युवक

पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। पूछताछ के बाद उनके खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि दोनों युवकों की पहचान आमपड़ा निवासी अंकित और गाड़ीघाट स्टेडियम क्षेत्र निवासी यूसुफ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है।

जिला पंचायत की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों पर मंथन

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिला पंचायत रुद्रप्रयाग में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत की अध्यक्षता में जनपद में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन बुधवार को जिला पंचायत सभागार, रुद्रप्रयाग में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए 15 दिनों के भीतर प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाना चाहिए।

बैठक में जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी एवं सुझाव दिए।

बैठक में सर्वाधिक चर्चा सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को लेकर हुई। सदस्यों ने विभिन्न मोटर मार्गों के निर्माण, डामरीकरण, नालियों की सफाई, सुरक्षा दीवारों, स्कवर निर्माण तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान बस्टी डुंगर मोटर मार्ग, तूना-पोंठा मोटर मार्ग, चोपता-बड़गांव मोटर मार्ग, चोपता-फलासी मोटर मार्ग, छेनागाड़-बक्शीर मोटर मार्ग तथा उच्चोला मार्ग पर स्कवर निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

सदस्यों ने इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं एवं विलंब के संबंध में अधिकारियों को अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष रितु नेगी, जिला पंचायत सदस्य अमित मैंखंडी, जयवर्धन कांडपाल, गंभीर सिंह बिष्ट, किरण नौटियाल, संपन्न नेगी एवं पवन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत वीरेंद्र गुसाईं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राम प्रकाश, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ आर.पी. नैथानी, अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई पवन कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रेम सिंह रावत, मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चैधरी, अधिशासी अभियंता सिंचाई खुशवंत सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा आदि मौजूद थे।

अधिकारियों की कार्यशैली पर जताया असंतोष

बैठक के दौरान कुछ विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा दायित्वों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों के प्रति भी नाराजगी व्यक्त करते हुए भविष्य में बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया।

रावण–अंगद संवाद का मंचन

देवाल। ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेराधार में रावण–अंगद संवाद का मंचन हुआ। संवाद में अंगद शांतिदूत बनकर लंका पहुंचे। उन्होंने रावण को अपनी गलती सुधारने का मौका दिया। अंगद ने रावण के अहंकार पर प्रहार करते हुए दरबार में अपना पैर जमा दिए। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी वीर उनके पैर को हिलाकर दिखाए। इससे रावण तिलमिला उठा। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मौजूद थे। रघुवीर सिंह, खड़क सिंह, लखन सिंह, भरत सिंह, कुंवर सिंह और बसंती देवी भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

धार्मिक सौहार्द पर प्रहार

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद के नगरसु क्षेत्र में एक गुरुद्वारे पर निहंगों द्वारा किए गए कब्जे ने उत्तराखंड की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हथियारों की नोक पर निहंगों ने गुरुद्वारे के सेवादारों को पहले बंधक बनाया लेकिन बाद में छोड़ दिया हालांकि गुरुद्वारे में कब्जा नहीं छोड़ा। जिला प्रशासन द्वारा निहंगों को निकालने का प्रयास किया गया लेकिन उनकी हठधर्मिता के आगे सब बेकार साबित हुआ। आखिरकार हथियारबंद निहंग कानून को ठेका दिखाते हुए पुलिस की मौजूदगी में ही गुरुद्वारा को छोड़कर चले गए। इस घटना ने उत्तराखंड की कानून व्यवस्था पर तो सवाल खड़े किए ही है साथ ही यह भी साबित कर दिया है कि इस प्रदेश के अंदर सामाजिक व्यवस्थाओं को बनाने में सरकार अपना दमखम नहीं दिखा पा रही है। इस पूरे प्रकरण में उत्तराखंड पुलिस की भी काफी आलोचना हुई है क्योंकि कार्रवाई करने के बजाय पुलिस इन निहंगों को सम्मान के साथ रास्ता देते हुए निकलते हुए नजर आई। उत्तराखंड अपनी शांतिपूर्ण संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द के लिए जाना जाता है। ऐसे में किसी भी समूह द्वारा कानून–विरोधी या विवादित गतिविधि किया जाना चिंता का विषय है। हाल ही में निहंगों से जुड़ी एक घटना ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिस पर विभिन्न वर्गों ने अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं।

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सभी नागरिकों और समुदायों को अपने धार्मिक विश्वासों का पालन करने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार कानून और सामाजिक व्यवस्था की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति या समूह ऐसी गतिविधि करता है जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो या लोगों में भय और तनाव पैदा हो, तो प्रशासन का कर्तव्य है कि वह निष्पक्ष कार्रवाई करे। ऐसी घटनाओं से समाज में गलत संदेश जाता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी समुदाय आपसी सम्मान, कानून के पालन और सामाजिक सद्भाव को प्राथमिकता दें। साथ ही, प्रशासन को भी निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों। इस घटना ने यह भी साबित किया है कि गुरुद्वारों में राजनीति भी पूरे चरम पर है और कुछ लोग धार्मिक व्यवस्थाओं को भी शांतिपूर्ण तरीके से चलने नहीं देना चाहते। उत्तराखंड सरकार और राज्य पुलिस को इस संबंध में अब कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि इस बात पर भी थोड़ा संतोष किया जा सकता है कि प्रशासन द्वारा स्थिति को धार्मिक तौर पर बिगड़ने नहीं दिया गया लेकिन अब पुलिस का यह फर्ज बनता है कि वह इन लोगों के खिलाफ मुकदमा कर इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करें अन्यथा आने वाले दिनों में ऐसे लोगों के मंसूबे और बुलंद होते चले जाएंगे क्योंकि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय प्रदेश के लिए ऐसी घटनाएं शुभ संकेत नहीं है।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी: कब जागेगा तंत्र?

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है- 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर।

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जेबें गर्म करते रहना है?

वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए।

दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की। जब तक अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं बनाए जाएंगे, तब तक सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शासन की प्राथमिकता 'दुर्घटना के बाद की प्रतिक्रिया' से बदलकर 'दुर्घटना से पूर्व की रोकथाम' पर केंद्रित होनी चाहिए। सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा सुनिश्चित करना भी है। प्रशासन की सफलता मुआवजा राशि में नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता में निहित होती है।

कोचिंग सेंटर, हॉस्पिटल, कारखाने, होटल आदि के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का स्थानीय प्रशासन को अंदाजा होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है।

जैसे-जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लखनऊ का यह अग्निकांड एक चेतावनी है। यदि अब भी शासन-प्रशासन नहीं जागा, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में और अधिक भयावह रूप धारण कर सकती हैं। यह समय आत्ममंथन का है, क्योंकि हर अग्निकांड के बाद यदि केवल राख बचती है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि एक प्रकार का संस्थागत अपराध है। देश को अब संवेदना नहीं-व्यवस्था चाहिए, जांच नहीं-जवाबदेही चाहिए और आश्वासन नहीं-ठोस कार्रवाई चाहिए। अन्यथा हर अग्निकांड के बाद यही प्रश्न गूंजता रहेगा-आखिर कब जागेगा तंत्र?

अतीत का आपातकाल अध्याय, बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

विनोद कुमार सिंह

1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (MISA) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उसकी निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।

भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदार अभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।यह देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक संकल्प है।सरकारें आती हैं,सरकारें जाती हैं; दल बनते हैं,दल टूटते हैं; नारे बदलते हैं,राजनीतिक समीकरण बदलते हैं,लेकिन संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना स्थायी रहती है।इतिहास हमें भयभीत करने के लिए नहीं,बल्कि सावधान करने के लिए होता है। 1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे और महिलाएं, भड़का जनाक्रोश ; नारे लगाकर मांगी आजादी

मुजफ्फरराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य दमन के खिलाफ जारी जनांदोलन में 10-12 साल के स्कूली बच्चे और महिलाएं भी भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी खुलेआम आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान सरकार की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह मैदान में पिछले 11 दिनों से 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों का धरना भी जारी है। वहीं सुधनोती जिले के तरार खेल में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने सार्वजनिक चौकों पर एकत्र होकर स्वतंत्रता के समर्थन में नारेबाजी की। मंधोल में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकालकर पाकिस्तानी सरकार और सेना को अवैध कब्जाधारी करार दिया। रावलकोट में प्रदर्शन कर रहे बच्चों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर-सेना बाहर जाओ जैसे नारे लिखे थे। आंदोलन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी सरकार को अपनी 38 सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार करने के लिए 23 जून तक का अल्टीमेटम दिया है। ईदगाह मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए संगठन के नेता सरदार अमान खान ने बेहद तीखा और भावुक भाषण दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दमन जारी रखा, तो पूरे सैन्य ढांचे को पीओके से बाहर खदेड़ दिया जाएगा।

ट्रम्प समर्थित एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला बने कोलंबिया के राष्ट्रपति

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थित उम्मीदवार एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। शुरुआती मतगणना के अनुसार उन्होंने वामपंथी उम्मीदवार इवान सेपेदा को करीबी मुकाबले में करीब 2.5 लाख वोटों से हराया। उनकी जीत को देश की राजनीति में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी रुझान की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। करीब सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद डी ला एस्प्रिएला को 49.66% वोट मिले, जबकि इवान सेपेदा को 48.70% वोट प्राप्त हुए। चुनाव परिणाम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें फोन कर बधाई दी। समर्थकों के बीच 'द टाइगर' के नाम से लोकप्रिय डी ला एस्प्रिएला ने चुनाव अभियान में अपराध नियंत्रण, आर्थिक सुधार और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने को प्रमुख मुद्दा बनाया था।

फिलीपींस के टैक्लोबन में स्कूल के भीतर अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत से मचा कोहराम ; दहल उठा पूरा इलाका

टैक्लोबन, एजेंसी। फिलीपींस के टैक्लोबन शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल परिसर के भीतर हुई अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्कूल परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोगों के अनुसार, स्कूल के भीतर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, जिसके बाद वहां मौजूद छात्र, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से परिसर में मौजूद लोगों के बीच भारी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने पूरे स्कूल परिसर को घेर लिया है और मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक हमले के पीछे की मुख्य वजह और संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। फिलहाल शुरुआती जांच में तीन मौतों की पुष्टि हुई है, लेकिन घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद, स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के अन्य स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।

ताइवान ने शुरू किया पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास

ताइपे, एजेंसी। चीन से संभावित सैन्य खतरे के बीच ताइवान ने सोमवार से पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। इस अभ्यास का उद्देश्य सेना की युद्ध तैयारी और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। अभ्यास के तहत ताइवान के ताओयुआन शहर की सड़कों और राजमार्गों पर टैंक तथा बख्तरबंद सैन्य वाहन गश्त करते नजर आए। ताओयुआन में ताइवान का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इमीडिएट कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज नामक यह अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमले में परीक्षा देने जा रही 16 वर्षीय छात्रा की मौत, 3 अन्य घायल

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में सीजफायर के तमाम दावों के बावजूद मासूम नागरिकों की जान जाने का सिलसिला लगातार और दुखद रूप से जारी है। सोमवार को गाजा सिटी के एक बहुत ही व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में एक भीषण और जानलेवा इजराइली हमला हुआ है। इस दर्दनाक हवाई हमले में एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा राघद हसन आशूर की मौके पर ही बहुत दर्दनाक मौत हो गई है। राघद उस समय अपने स्कूल में 11वीं कक्षा की अहम परीक्षा देने के लिए मुख्य सड़क से पैदल ही आगे जा रही थी।

इस अचानक हुए जोरदार धमाके ने आसपास के पूरे इलाके में भारी तबाही और गहरी दहशत का एक बड़ा माहौल पैदा कर दिया है। मृतका राघद के एक रिश्तेदार जमील आशूर ने विस्तार से बताया कि यह भीषण धमाका रिमल जिले की एक बहुत ही व्यस्त सड़क पर हुआ था। घटनास्थल पर मौजूद भयानक वीडियो में बहुत ही साफ तौर पर देखा जा सकता है कि हमले के बाद वहां दो गाड़ियां पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थीं। इस भारी तबाही के भयंकर मंजर में सड़क पर हर तरफ खून के निशान मौजूद थे जो इस बड़ी त्रासदी की सीधी गवाही दे रहे थे।

हमास लड़ाके को निशाना बनाने का दावा : इस पूरे गंभीर मामले पर इजराइली सेना ने अपनी आधिकारिक सफाई देते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका मुख्य निशाना हमास का एक लड़ाका था। हालांकि सेना ने अपने बयान में यह भी स्वीकार किया है कि इस सैन्य कार्रवाई में एक निर्दोष नागरिक के हताहत होने की जानकारी उन्हें जरूर मिली है। इस भीषण हवाई हमले में मासूम राघद की दर्दनाक मौत के अलावा तीन अन्य स्थानीय लोग भी बहुत ही बुरी तरह से घायल हुए हैं। इन सभी गंभीर घायलों को तुरंत ही पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका लगातार सघन और अहम इलाज किया जा रहा है।

शिफा अस्पताल में पसरा भारी मातम : इस दर्दनाक हमले के बाद राघद के शव को तुरंत गाजा के प्रसिद्ध शिफा अस्पताल में ले जाया गया जहां कोहराम मच गया। शिफा अस्पताल में राघद की बेहाल मां और सैकड़ों अन्य फिलिस्तीनी नागरिकों ने उस मासूम बच्ची को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। युद्ध के बीच इस तरह से लगातार पिस रहे मासूम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से दुनिया भर में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सीजफायर के बावजूद नहीं रुक रही मौतें अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद इस पूरे अशांत इलाके में भीषण हिंसा और बेगुनाहों की मौतों का दौर लगातार जारी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नए और ताजा आंकड़ों के अनुसार सीजफायर लागू होने के बाद से अब तक 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। वहीं 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस भयंकर युद्ध में अब तक कुल 73,018 फिलिस्तीनियों की बहुत ही दर्दनाक रूप से जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक इन मरने वालों में लगभग आधे से ज्यादा केवल बेगुनाह महिलाएं और मासूम बच्चे ही बड़े पैमाने पर शामिल हैं।

इजराइल और हमास का भीषण युद्ध : इस बड़े और विनाशकारी युद्ध की मुख्य शुरुआत तब हुई थी जब हमास के नेतृत्व वाले सशस्त्र लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में अचानक भारी हमला किया था।

7 अक्टूबर 2023 को हुए उस बहुत ही बड़े और अप्रत्याशित हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल का लगातार यही कहना है कि वे केवल उन बड़े खतरों को निशाना बना रहे हैं जो सीधे तौर पर उनकी अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। वहीं दूसरी तरफ इस सीजफायर समझौते के पूरी तरह से लागू होने के बाद से अब तक पांच इजराइली सैनिक भी इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी : हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा।

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई।

एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल : पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट-डेस-नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है।

मकसद का पता लगाने की कोशिश में पुलिस : उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।' डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार-पांच गोलियों की आवाज सुनी।

उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद, पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे और उन्होंने और भी गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने आगे बताया कि हमने पुलिसकर्मियों को गोलीबारी में उलझते और गोली लगने से घायल होते देखा। उनका अनुमान है कि उन्होंने 30 या 40 गोलियों की आवाज सुनी। सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में एक हथियारबंद और खतरनाक संदिग्ध के बारे में आपातकालीन चेतावनी जारी की और निवासियों से अपने घरों के अंदर ही सुरक्षित रहने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में 'बलूचिस्तान की शेरनी' महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा, मचा भारी बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने एक बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 'बलूचिस्तान की शेरनी' के नाम से मशहूर चर्चित बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। यह फैसला साल 2024 में ग्वादर में हुई एक रैली के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत के गंभीर मामले में सुनाया गया है। इस फैसले के बाद पूरे पाकिस्तान और बलूचिस्तान में भारी बवाल और विरोध प्रदर्शनों का एक नया दौर शुरू हो गया है। महरंग बलोच के साथ-साथ 'बलूच यकजेहती कमेटी' (बीवाईसी) के एक और बड़े नेता सिबगतुल्लाह शाह को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एंटी-टेररिज्म कोर्ट क्वेटा-1 के जज मुहम्मद अली मोबिन ने सोमवार को यह अहम फैसला सुनाया। यह फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने कोर्ट की पूरी कार्रवाई का कड़ा बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए ये सभी बीवाईसी नेता कानूनी कार्रवाई के विरोध में क्वेटा जेल के अंदर ही अपना धरना दे रहे हैं।

ग्वादर विरोध प्रदर्शन का मामला : बीबीसी उर्दू के अनुसार यह पूरा मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी माची सभा से जुड़ा हुआ है। इस सभा के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत हो गई थी जिसके बाद यह कार्यक्रम धरने में बदल गया था। इस बड़ी सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईरान के बलूच लोग भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के कई जिलों में धरने आयोजित किए गए थे जिससे भारी बवाल मच गया था।

फैसले पर बीवाईसी की कड़ी निंदा : महरंग बलोच की 'बलूच यकजेहती कमेटी' ने इस उम्रकैद की सजा की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस अदालती फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह सरकार की तानाशाही के बराबर है। संगठन के अनुसार इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक नए ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है।

शांतिपूर्ण एक्टिविज्म को दबाने का आरोप : बीवाईसी ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबा रहे हैं। उन्होंने अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही और कहा कि जेल इस बड़े आंदोलन को नहीं रोक सकती है। महरंग बलोच की बहन नादिया बलूच ने भी कोर्ट के इस कड़े फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे बिना पहचान वाली कोर्ट का फैसला बताया क्योंकि लीगल टीम ने 12 जून से बॉयकॉट किया हुआ था। सरकार ने बॉयकॉट के दौरान आरोपियों का केस लड़ने के लिए अपनी तरफ से कुछ वकील नियुक्त किए थे। लेकिन महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने उन सरकारी वकीलों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था।

यूएस फेडरल जज ने ट्रंप सरकार को दिया झटका, अमेरिकी नागरिकों की गोपनीय जानकारी के डेटाबेस को किया ब्लॉक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के उस डेटाबेस को रद्द कर दिया जिसमें अमेरिकी नागरिकों की गुप्त जानकारी थी। जज ने इसे गैर-कानूनी बताया, क्योंकि कई राज्यों ने इसका इस्तेमाल योग्य नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए किया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज स्पार्कल सूकनानन ने एक फैसले में लिखा, 'फेडरल सरकार ने जानबूझकर अमेरिकी नागरिकों के गोपनीयता के अधिकारों का इस तरह से उल्लंघन किया है जिससे वोट देने जैसे महत्वपूर्ण अधिकार को खतरा है। जब ऐसा हो रहा हो तो यह कोर्ट चुपचाप खड़ी नहीं रह सकती।' सूकनानन ने कहा कि फेडरल एजेंसियां संघीय चुनाव प्रणाली में बदलाव लाने वाले एक कार्यकारी आदेश का पालन करने की जल्दबाजी में थीं। इसी वजह से उन्होंने अव्यवस्थित तरीके से लाखों अमेरिकियों की निजी जानकारी को एकत्रित और पुनः उपयोग किया, जिसमें नागरिकता संबंधी वह डेटा भी शामिल था, जिसके अविश्वसनीय होने की जानकारी उन्हें पहले से थी।

उन्होंने आगे कहा, 'तब से, राज्यों ने डेटाबेस को एक्सेस करने के लिए फेडरल सरकार के साथ साझेदारी की है और गलत जानकारी के आधार पर अमेरिका के नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटा रहे हैं।' अमेरिकी जिला जज के अनुसार, 'यह मामला दो बुनियादी अधिकारों को दिखाता है जो अमेरिकियों को सरकारी दखल से बचाते हैं: गोपनीयता का अधिकार और वोट देने का अधिकार।'

ताजा फैसला सितंबर में दायर उस मुकदमे के जवाब में आया, जिसे मतदान अधिकार और गोपनीयता की वकालत करने वाले कई संगठनों के गठबंधन ने दायर किया था। इस गठबंधन का नेतृत्व 'लीग ऑफ वूमेन वोटर्स' कर रहा था। याचिका में 'सिस्टेमैटिक एलियन वेरिफिकेशन फॉर एंटाइटलमेंट्स' (एसएवीई) प्रणाली में किए गए बदलावों को चुनौती दी गई थी। यह प्रणाली अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा संचालित की जाती है और नागरिकता तथा आव्रजन स्थिति की पुष्टि करने के लिए इस्तेमाल होती है। मार्च 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में बड़े बदलाव के लिए एक बड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत फेडरल चुनावों में वोट देने के लिए रजिस्टर करने के लिए नागरिकता का डॉक्यूमेंट्री प्रूफ देना जरूरी होगा। उनका दावा था कि अमेरिका ने फेडरल चुनाव की जरूरतों को ठीक से लागू नहीं किया है।

फैसले के अनुसार, एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14248 ने डीएचएस और सामाजिक सुरक्षा प्रशासन समेत कुछ फेडरल एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे राज्य और स्थानीय अधिकारियों के लिए रजिस्टर्ड वोटर्स या वोट देने के लिए रजिस्टर करने वाले लोगों की नागरिकता या इमिग्रेशन स्टेटस को वेरिफाई करने के लिए सिस्टम बनाएं।

हिज्बुल्लाह को लेकर ट्रंप की चेतावनी पर गालिबफ बोले-अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा मत करो

बर्गेनस्टॉक, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता को लेकर बातचीत अब तकनीकी पहलुओं पर है. इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर वे लेबनान में अपने समर्थक को तुरंत आर्थिक मदद देना बंद नहीं करते हैं तो वे फिर से भीषण हमला करेंगे. इस पर ईरानी संसद के स्पीकर एमबी गालिबफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे अमेरिका की 'हताशा' की निशानी बताया, जबकि ट्रंप की तीखी आलोचना करते हुए उनकी बातों को फिजूल बताया. ट्रंप की बातों के बाद गालिबफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान वॉशिंगटन की ऐसी धमकियों से नहीं डरेगा और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश की सेना जवाब देने के लिए तैयार है. गालिबफ ईरानी पक्ष के मुख्य बातचीत करने वाले नेता भी हैं. पोस्ट में लिखा, 'क्या वे खुद से यह नहीं सोचते कि अगर उनकी धमकियों का कोई असर होता, तो वे आज इस निराशा की हालत में नहीं पहुँचते? हम अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा नहीं करते. उन्हें अपने बयानों में सावधान रहना चाहिए, हमारी सेनाएँ दूसरे तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं. वे जो भी कहें, हम ही हैं जो कार्रवाई करेंगे. उनकी यह बात ट्रंप के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने ईरान को इस इलाके में खासकर लेबनान में हिज्बुल्लाह का परोक्ष जिक्र करते हुए अपने 'प्रॉक्सी ग्रुप्स' को सपोर्ट न करने की चेतावनी दी थी. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ईरान को लेबनान में अपने ज़्यादा पैसे वाले प्रॉक्सी को परेशानी पैदा करने से तुरंत रोकना चाहिए. अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बस और ज़्यादा जोर से!' यह बातचीत पश्चिम एशिया में दुश्मनी खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता के हिस्से के तौर पर चल रही टेक्निकल बातचीत के बीच वाशिंगटन और तेहरान के बीच बयानबाजी में सबसे नई बढ़ोतरी को दिखाती है. इस बीच ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की हाई-लेवल डिप्लोमैटिक बातचीत का पहला राउंड खत्म हो गया है. डेलीगेशन को 'इंटरनल कंसल्टेशन' करने के लिए 80 मिनट बाद सेशन रोक दिया गया. अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को स्विट्जरलैंड में सीनियर ईरानी अधिकारियों के साथ पश्चिम एशिया में संकट का पूरा हल निकालने के मकसद से हाई-लेवल डिप्लोमैटिक कोशिशों की शुरुआत की. पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई बातचीत के दौरान वेंस ने तेहरान के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह से बदलने के लिए वाशिंगटन की तैयारी के बारे में बताया, चर्चा जिसमें मुख्य स्टेकहोल्डर्स शामिल हैं।

अमेरिका की नजर अब श्रीलंका पर: दो सीनियर अधिकारियों का कोलंबो दौरा, सुरक्षा और ट्रेड डील पर होगी अहम चर्चा

कोलंबो , एजेंसी। अमेरिका के दो बहुत ही वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी अपने तीन दिन के महत्वपूर्ण दौरे पर श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंच गए हैं। इस हाई प्रोफाइल और बेहद अहम आधिकारिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बहुत तेजी से बढ़ाना है।

हिंद महासागर क्षेत्र में उभरते हुए कूटनीतिक हालात के कारण यह विदेशी दौरा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण और रणनीतिक माना जा रहा है। चीन की लगातार बढ़ती दखलंदाजी और तनाव के बीच अमेरिका अपनी मजबूत रणनीतिक साझेदारी को बहुत ही गंभीरता के साथ विस्तार देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए नियुक्त सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर रविवार को ही अपने तीन दिन के दौरे पर कोलंबो पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर भी श्रीलंका में अपना यह महत्वपूर्ण दौरा 24 जून को अच्छी तरह पूरा करेंगे। इन दोनों बड़े अमेरिकी अधिकारियों की इस अहम और कूटनीतिक यात्रा का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्र की पुख्ता सुरक्षा और आपसी व्यापार को मजबूत करना है। अमेरिका अपनी तरफ से श्रीलंका को शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पूरे क्षेत्र में अपना एक बहुत ही जरूरी और अहम साझेदार मानता है।

हिंद महासागर में भू-राजनीतिक चुनौतियां : हिंद महासागर के विशाल और अहम क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपसी तनाव बहुत ही तेजी के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन ने इस बेहद रणनीतिक इलाके में बुनियादी ढांचे में अपना निवेश और अपनी समुद्री मौजूदगी का भारी दायरा काफी ज्यादा और खतरनाक तरीके से बढ़ा लिया है।

इन लगातार बढ़ती वैश्विक और समुद्री चुनौतियों को देखते हुए अमेरिका अब

श्रीलंका के साथ अपने पुराने संबंधों को बहुत ज्यादा गहराई और मजबूती देना चाहता है। इसलिए अमेरिका अपनी व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत श्रीलंका समेत कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देशों के साथ अपना भारी सुरक्षा और आर्थिक जुड़ाव बढ़ा रहा है।

जनरल केविन श्नाइडर की अहम बैठकें : अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार जनरल केविन श्नाइडर अपने इस अहम दौरे के दौरान श्रीलंका सरकार के कई बड़े अधिकारियों से मिलेंगे। वे स्थानीय रक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ नेताओं, रक्षा मंत्रालय और श्रीलंका वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम रणनीतिक बातचीत करेंगे। इस अहम द्विपक्षीय बातचीत का मुख्य फोकस हवाई और समुद्री क्षेत्र की कड़ी निगरानी और आधुनिक साइबर सुरक्षा पर अपना आपसी सहयोग बढ़ाना रखा गया है। इसके अलावा किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी इस विशेष बातचीत के दौरान काफी ज्यादा जोर दिया जाएगा। एस पॉल कपूर और व्यापारिक साझेदारी सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर भी अपनी इस शानदार यात्रा के दौरान श्रीलंका के वरिष्ठ और ताकतवर नेताओं से क्षेत्रीय और सुरक्षा मुद्दों पर गंभीर चर्चा करेंगे। वे वहां के निजी क्षेत्र के बड़े अधिकारियों और कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बहुत ही अहम और सीधे तौर पर व्यापारिक मुलाकात करेंगे। इन महत्वपूर्ण व्यापारिक मुलाकातों का सीधा लक्ष्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश के बड़े आपसी संबंधों को बहुत ज्यादा विस्तार देना है। यह बहुप्रतीक्षित यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस विशेष और कड़ी प्रतिबद्धता को भी प्रमुखता से दर्शाती है जो क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाती है।

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

क्यों कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
- खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
- एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
- मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
- आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून - गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर - साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी - बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर- डलहौज़ी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग , घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर - 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)
शिमला मिर्च - 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)
प्याज - 1 (पेटल्स में कटी हुई)
हरी मिर्च - 2 (लंबाई में कटी हुई)
लहसुन - 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)
अदरक - 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
तले जाने के लिए
कॉर्नफ्लोर - 2 बड़े चम्मच

मैदा - 2 बड़े चम्मच
नमक - स्वाद अनुसार
काली मिर्च - ½ छोटा चम्मच
पानी - थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)
तेल - तलने के लिए
सॉस के लिए :
सोया सॉस - 1 बड़ा चम्मच
टमाटो सॉस - 2 बड़े चम्मच
रेड चिली सॉस - 1 बड़ा चम्मच
सिरका - 1 छोटा चम्मच
शक्कर - ½ छोटा चम्मच (वैकल्पिक)
नमक - स्वाद अनुसार
चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।

2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)

4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।

5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी ने बेटी–दामाद के संग मिलकर दराती से हमला कर मार डाला पति

दन्यां (अल्मोड़ा)। धौलादेवी ब्लाक के सेली गांव में हत्या की जघन्य वारदात ने रिश्तों को कलंकित कर दिया। रात में पत्नी ने बेटी व दामाद के संग मिलकर दराती के वार से पति को लहूलुहान कर दिया। मरणासन्न हाल में छोड़ तीनों रात में ही फरार हो गए। अस्पताल ले जाते वक्त व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। तीसरे दिन अंतिम संस्कार के बाद पिता की ओर से तीनों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई। पुलिस हरियाणा में रहने वाले बेटी–दामाद सहित पत्नी की तलाश में दन्यां से हरियाणा तक दबिश दे रही है। ग्राम सेली व वर्तमान में हरियाणा में रह रहे 65 वर्षीय नारायण दत्त पांडे ने मंगलवार को दन्यां थाने में तहरीर सौंपी। बताया कि उनके पुत्र 40 वर्षीय चंद्रशेखर पांडे का अपनी पत्नी खष्टी देवी के साथ अक्सर शराब के नशे में विवाद और मारपीट होती थी। खष्टी देवी अपने पति की हरकतों की शिकायत ग्राम शेजपुरा, थाना हांसी सदर, हरियाणा में दो माह पूर्व ब्याही अपनी बेटी जानकी और दामाद धर्मवीर शर्मा से करती थी। इस वजह से पति–पत्नी के बीच तनाव और बढ़ता चला गया। साथ ही बेटी–दामाद से भी बहस होने लगी। कुछ दिन पूर्व धर्मवीर शर्मा ने धमकी भी दी थी कि यदि ससुर चंद्रशेखर ने उसकी पत्नी और सास के साथ अभद्र व्यवहार बंद नहीं किया तो वह उसे जान से मार देगा।

लंढौरा सीएचसी में प्रसव की सुविधा आठ दिन से बंद

रूड़की। कस्बे के सरकारी अस्पताल के प्रसव केंद्र पर तैनात स्टाफ नर्स के पिछले आठ दिनों से अवकाश पर होने के कारण केंद्र बंद पड़ा है। इससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए रुड़की और मंगलौर के अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अस्पताल में प्रसव केंद्र पर ताला लटका हुआ है। इससे प्रसव पीड़ा होने पर महिलाओं को छह से दस किलोमीटर दूर रुड़की और मंगलौर जाना पड़ रहा है। आजाद, नफीस, सलीम, आकाश, रुस्तम और रियासत का कहना है कि इस स्थिति से गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि पहले प्रसव केंद्र पर दो स्टाफ नर्स तैनात रहती थी। एक नर्स के अवकाश पर होने की स्थिति में दूसरी नर्स प्रसव संबंधी सेवाएं संचालित करती रहती थी लेकिन वर्तमान में केवल एक ही नर्स की तैनाती होने से उनके अवकाश पर जाते ही प्रसव की सुविधा पूरी तरह से बंद हो गई है। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से अस्पताल में अतिरिक्त स्टाफ नर्स की तैनाती की मांग की है ताकि प्रसव सेवाएं नियमित रूप से संचालित हो सके और क्षेत्र की महिलाओं को समय पर उपचार मिल सके।

अधिकारियों से की दरगाह की संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराने की मांग

रूड़की।दरगाह साबिर पाक की संपत्तियों पर अवैध कब्जे को लेकर नगर पंचायत कलियर की पूर्व सभासद आसमा परवीन ने तहसीलदार एवं दरगाह प्रबंधक को शिकायती पत्र देकर दरगाह की संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराने एवं पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि दरगाह का एक पूर्व कर्मचारी लंबे समय से दरगाह की करोड़ों रुपये की संपत्ति पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए हैं। पूर्व सभासद का कहना है कि संबंधित व्यक्ति को पूर्व में गंभीर मामलों में कार्रवाई के बाद सेवा से हटाया जा चुका है। इसके बावजूद वह दरगाह की संपत्तियों पर कथित कब्जा बनाए हुए हैं। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति दरगाह के एक मकान में भी अनाधिकृत रूप से निवास कर रहा है। इस संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। आसमा परवीन ने प्रशासन से मांग की कि दरगाह की संपत्तियों से अवैध कब्जा हटाया जाए। संबंधित मकान को खाली कराया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो इससे दरगाह प्रशासन की छवि प्रभावित होने के साथ कानून व्यवस्था संबंधी स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। मामले की शिकायत की ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से भी की गई है।

कार दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश

गोपेश्वर/कर्णप्रयाग। बीते आठ जून को थराली तहसील के अंतर्गत हुई वाहन दुर्घटना की जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए हैं। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया था। आठ जून को नारायणबगड़–परखाल–सिलोड़ी की ओर जा रही कार खनीजार बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में सिलोड़ी गांव निवासी प्रदीप सिंह पुत्र गंगा सिंह (38) घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए कर्णप्रयाग भेजा गया लेकिन उसी दिन प्रदीप सिंह की मौत हो गई। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर कर दिया था। जिला मजिस्ट्रेट के आदेशों के क्रम में दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच उप खंड मजिस्ट्रेट थराली यशवीर सिंह की ओर से की जा रही है। जांच अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना के संबंध में किसी के पास कोई जानकारी या साक्ष्य हो या कोई दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो दो जुलाई तक उनके कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

पोखरी मुख्य बाजार में फटा योजना का पाइप

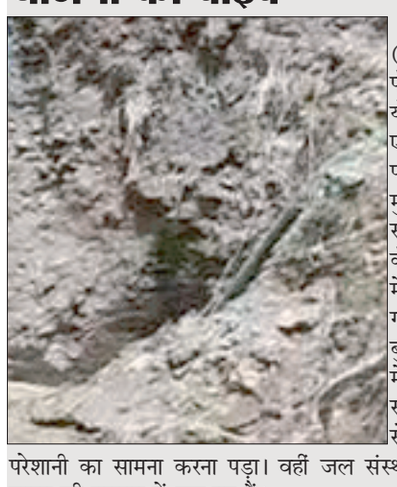

पोखरी (चमोली)। पोखरी पेयजल योजना का पाइप एक बार फिर फटने से पोखरी मुख्य बाजार के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी का संकट गहरा गया है। बुधवार को क्षेत्र में पेयजल सप्लाई नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं जल संस्थान के कर्मचारी लाइन की मरम्मत में जुट गए हैं।

बुधवार सुबह करीब पांच बजे पोखरी पेयजल योजना के पाइप कलसीर के डांडागैर तोक में फट गए। इससे पोखरी नगर क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पानी की आपूर्ति ठप हो गई। लाइन फटने की सूचना पर जल संस्थान के अवर अभियंता मनमोहन सिंह राणा कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और लाइन की मरम्मत का काम शुरू किया। लोगों ने कहा कि अचानक पानी की आपूर्ति ठप होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द जल संस्थान से पेयजल लाइन को दुरुस्त करने की मांग की। वहीं अवर अभियंता मनमोहन सिंह राणा का कहना है कि लाइन को जोड़ने के लिए टीम मौके पर कार्य कर रही है। वेल्डिंग मशीन से पाइप की मरम्मत की जा रही है। बृहस्पतिवार सुबह तक पेयजल आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी।

चाई ग्रामोत्सव का समापन,
सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : तीन दिनों तक संस्कृति, परंपरा और गांव की आत्मीयता से सराबोर रहा चाई ग्रामोत्सव बुधवार को उत्साह और भावनाओं के बीच संपन्न हो गया। अंतिम दिन विद्यार्थियों और महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान गांव के बेहतर विकास को लेकर भी चर्चा की गई। समापन समारोह का शुभारंभ जयहरीखाल ब्लॉक प्रमुख रणवीर सिंह सजवाण ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक आत्मा गांवों में बसती है और गांवों के समग्र विकास के बिना राष्ट्र की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर बल देते हुए कहा कि इससे पलायन पर अंकुश लगेगा और गांव आत्मनिर्भर बन सकेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी किशोर जदली ने कहा कि जब पूरा पहाड़ पलायन की चुनौती से जूझ रहा है, ऐसे समय में चाई ग्रामोत्सव गांवों के पुनर्जीवन और सांस्कृतिक संरक्षण की नई मिसाल बनकर उभरा

है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल गांव बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि हमारी लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। गोष्ठी के बाद आयोजित सांस्कृतिक संध्या में लोक गायक सुशील स्नेहवाल और धर्मेंद्र रावत ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से श्रोताओं को देर शाम तक बांधे रखा। लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर दर्शक भी झूमते नजर आए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अशोक बुड़ाकोटी, जगमोहन बुड़ाकोटी, दीपक बुड़ाकोटी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और प्रवासीजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. पदमेश बुड़ाकोटी ने किया।

सरकार की विफलता है पेपर लीक : धीरेंद्र प्रताप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने देश में पेपर लीक की घटनाओं के लिए सरकार को जिम्मेदार बताया है। कहा कि सरकार की नाकामी व लापरवाही से युवाओं का भविष्य दांव पर लग रहा है। सरकार को परीक्षाओं में पारदर्शिता बनानी चाहिए। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बुधवार को कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए धीरेंद्र प्रताप ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही है। इससे युवाओं का मनोबल गिर रहा है। सरकारी व्यवस्थाओं से युवाओं का मन उठता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड में भर्ती घोटालों और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। कांग्रेस नेता ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा नकल माफिया के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की। धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि युवाओं और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस आगामी दिनों में जनसंपर्क अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से वरिष्ठ कांग्रेस नेता डा. हरक सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह नेगी, लखपत बुटोला, सूरवीर सजवाण तथा जीत राम के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर संकल्प सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर मीना बछुवाण, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, सुनील दत्त सेमवाल, धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रीडिंग से संतुष्ट होने पर ही हटेगा पुराना मीटर

हल्द्वानी : कुमाऊं में बिजली के 6.55 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। यह काम जून तक पूरा होना था, लेकिन विरोध के कारण अवरोध बना रहा। ऐसे में अभी तक 3.62 लाख मीटर ही बदल पाए हैं, जो 55 प्रतिशत है। इस बीच सख्ती होने से काम में थोड़ा तेजी आई है, लेकिन ऊर्जा निगम ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए नई व्यवस्था की है। अब घरों में पुराना मीटर हटाए बगैर स्मार्ट मीटर भी लगाया जाएगा। रीडिंग को लेकर संतुष्ट होने के बाद ही निगम प्रबंधन पुराने मीटर को हटाएगा। ऊर्जा निगम ने यह व्यवस्था उपभोक्ताओं में बने हुए भ्रम को दूर करने के लिए बनाई है। ऐसे में नए मीटरों को लेकर आशंका जताने वाले लोगों के घरों पर दो मीटर लगे रहेंगे। 25 से 30 दिन यानी करीब एक माह तक दोनों मीटर संचालित होंगे। ऐसे में स्मार्ट मीटर से बिल जनरेट होने के बाद आए बिल और पुराने मीटर की रीडिंग से उपभोक्ता मिलान कर पाएंगे।

दो मीटरों की रीडिंग से संतुष्टि होने की बात कहे जाने पर निगम पुराने मीटर को हटाएगा। इसके साथ ही लोगों को स्मार्ट मीटर के लाभ भी बताए जा रहे हैं।

सीएचसी अगस्त्यमुनि में गुबारा क्लीनिक शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जन्म से शुगर जैसी बीमारी से जूझ रहे टाइप-1 मधुमेह रोगियों को जिला चिकित्सालय के बाद अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में भी निःशुल्क उपचार मिल पाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीएचसी अगस्त्यमुनि में टाइप-1 मधुमेह रोगियों के उपचार, देखभाल व निरंतर मॉनीटरिंग के लिए ह्लगुबाराह्व क्लीनिक की शुरुआत कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में बुधवार को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षित ममगाईं ने सीएचसी अगस्त्यमुनि में गुबारा क्लीनिक का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि गुबारा क्लीनिक के माध्यम से जन्मजात व बचपन से मधुमेह रोग टाइप-1 से ग्रसित बच्चों व युवाओं को नियमित इंसुलिन मॉनिटरिंग, इंसुलिन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ-साथ गैर संचारी रोग व रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत

टाइप-1 रोगियों की जांच व मधुमेह मॉनिटरिंग किट भी उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में गत वर्ष नवंबर माह में गुबारा क्लीनिक की शुरूआत की गई थी। साथ ही समस्त चिकित्सा इकाईयों में मधुमेह जांच में टाइप-1 मधुमेह से ग्रसित रोगियों को जिला चिकित्सालय के कक्ष संख्या 04 में स्थापित गुबारा क्लीनिक में पंजीकरण हेतु रेफर किया जा रहा था। अगस्त्यमुनि में गुबारा क्लीनिक शुरू होने पर अब अगस्त्यमुनि क्षेत्र के टाइप-1 मधुमेह रोगियों को जिला चिकित्सालय नहीं आना पड़ेगा। इस अवसर पर डब्ल्यू.जे. क्लीनटन फाउंडेशन के शोएब जहीदी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमा असवाल, डॉ. प्रियांशू, सीपीएचसी कोऑर्डिनेटर विजय रावत, बीएलए बलवंत बजवाल, आशुतोष बर्त्वाल, राहुल आदि मौजूद रहे।

निक्की रावत ने जीता बेस्ट ट्रेनी का खिताब

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी में आयोजित बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स दिनांक 26 मई से 23 जून 2026 तक चला, जिसमें जीआरआरसी लैंसडौन में प्रशिक्षण लिए तीन क्लाईमरों निक्की रावत, सोनम पटवाल और रानी पटवाल ने प्रतिभाग किया। निक्की रावत को बेस्ट ट्रेनी का खिताब दिया गया।

इस कोर्स के दौरान तीनों ने अति सराहनीय प्रदर्शन किया। जिसमें निक्की रावत ने बेस्ट ट्रेनी का खिताब हासिल किया। अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए इन प्रतिभागियों ने पूरा श्रेय अपने कोच हवलदार देवेंद्र पंवार, संरक्षक महिपाल सिंह चौहान को दिया।

जिन्होंने बच्चों को प्रेरित किया और इनका मार्गदर्शन किया। गढ़वाल राइफल रेजीमेंट सेंटर द्वारा वर्ष 2025 में रिखणीखाल के ग्रामीण बच्चों के लिए समर एडवेंचर कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 25 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण लिया था। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक मानसिक एवं साहसिक खेलों के प्रति सभी प्रतिभागियों

का मूल्यांकन किया गया, जिसके आधार पर पांच बच्चों को स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग के लिए चुना गया था।

कोच देवेंद्र पंवार ने बताया कि बच्चों के कठिन अभ्यास और निरंतर समर्पण से यह सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि ने न केवल गांव का नाम रोशन किया है बल्कि अन्य युवाओं को भी साहसिक खेलों की ओर प्रेरित किया है। तीनों खिलाड़ियों ने अपने कोच एवं कमांडेंड गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंट सेंटर ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी और अपने माता-पिता के सहयोग को अपनी सफलता का श्रेय दिया। कहा कि उनका अगला लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना है।

देवरानी ने जेठानी की फर्जी आईडी बनाई

हल्द्वानी। कोतवाली क्षेत्र के तीनपानी इलाके में पारिवारिक विवाद साइबर उत्पीड़न और धमकी तक पहुंच गया।

एक महिला ने अपनी देवरानी पर इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उसकी और नाबालिग बेटी की तस्वीरों व वीडियो के साथ अश्लील सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया है। मामले में कोर्ट के आदेश पर हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी गाजियाबाद निवासी देवरानी ने उसके और उसकी नाबालिग पुत्री यानी भतीजी के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी तैयार की। आरोप है कि उस आईडी से वीडियो अपलोड कर उनमें अश्लील गाने और आपत्तिजनक टिप्पणियां जोड़कर प्रसारित किए हैं।

मोबाइल पर जान से मारने की धमकी

विरोध करने पर देवरानी और उसकी सास ने मोबाइल पर जान से मारने और दुर्घटना कराने की धमकी दी। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया कि इसी वर्ष तीन जनवरी को देवरानी ने घर में घुसकर ईंट से हमला कर घायल करने का प्रयास किया।

पीड़िता का कहना है कि पुलिस से कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसे अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। कोर्ट के निर्देश पर अब पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लखनऊ के बाद उत्तराखंड में आग का तांडव

हल्द्वानी। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग की घटना के बाद मंगलवार देर रात उत्तराखंड के हल्द्वानी में मीरा मार्ग पर स्थित समावादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी के जूते के शोरूम भीषण आग लग गई।

आग से लाखों का सामना खाक हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना के दौरान मौके पर अन्य व्यापारियों के बीच अफरातफरी का माहौल रहा।

भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा

जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा के लाइन नंर 17 निवासी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी की मीरा बाजार में जूतों की दुकान है। जिसका संचालन उनके पुत्र उमेर सिद्दीकी करते हैं। रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट गए थे। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों ने दुकान के अंदर से धुआं निकलता देखा और इसकी सूचना उन्हें दी। सूचना मिलने ही उमेर मौके पर पहुंचे। वहीं सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आग तेजी से फैलने लगी तो एहतियातन आसपास की दुकानों को खाली कराया गया। बाजार में बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्र हो गए।

दमकल विभाग ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि दुकान में रखा अधिकतर सामान जल चुका था। लाखों के नुकसान का आंकलन लगाया जा रहा है।

सामान मंगवाने के बाद बिना ओटीपी खाते से उड़े 1.87 लाख

हल्द्वानी। सुशीला तिवारी अस्पताल में कार्यरत एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गईं। महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 23 मई को कैश आन डिलीवरी पर एक पार्सल मंगाया था। इसके चार दिन बाद 27 मई को उनके दो अलग–अलग बैंक खातों से संदिग्ध तरीके से रकम कटने लगी। न ओटीपी बताया और न ही किसी लिंक पर क्लिक किया

पीड़िता के अनुसार उन्होंने न तो किसी को ओटीपी बताया और न ही किसी लिंक पर क्लिक किया, इसके बावजूद ठगों ने एक खाते से एक लाख रुपये और दूसरे से 87 हजार रुपये निकाल लिए।

सतेराखाल में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब बरामद

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग में चारधाम यात्रा के दौरान अवैध मदिरा की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों तथा जिला आबकारी अधिकारी रमेश बंगवाल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी टीम ने सतेराखाल बाजार में बड़ी कार्रवाई की। आबकारी निरीक्षक आनंद चौहान के नेतृत्व में टीम द्वारा सतेराखाल बाजार स्थित एक व्यक्ति के घर की नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान घर से 11 अध्दे और 49 पव्वे मैकडॉवल व्हिस्की अवैध रूप से बरामद की गई। बरामद अवैध अंग्रेजी शराब के संबंध में आरोपी के विरुद्ध मौके पर ही आबकारी अधिनियम की धारा 60(1) के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस अभियान में उप आबकारी निरीक्षक मधुर कुमार, आबकारी सिपाही रीना प्रधान, किरण प्रधान, सुंदरलाल, चंद्रिका शामिल रही। आबकारी निरीक्षक

आनंद चौहान ने बताया कि जनपद में अवैध मदिरा के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए विभाग भविष्य में भी समय-समय पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाता रहेगा। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग पूरी सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है।

अधिकारी एसआईआर कार्य में तेजी लाएं

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई एसआईआर कार्यों की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बुधवार को जनपद में निर्वाचन आयोग के निर्देशन में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में एसआईआर के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी निर्वाचक/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की

समीक्षा करते हुए जनपद के बदरीनाथ, कर्णप्रयाग और थराली विधानसभा क्षेत्रों में 10 प्रतिशत से कम वाले पोलिंग बूथों पर गणना प्रपत्र एकत्रिकरण और डिजिटाइजेशन की प्रगति बढ़ाने को कहा। उन्होंने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों गणना प्रपत्र एकत्रीकरण और डिजिटाइजेशन कार्य की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बीएलओ की ओर से मिल रहे फीडबैक के आधार पर संसाधन बढाने और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने को कहा।

उन्होंने तकनीकी जानकारी रखने वाले अधिक से अधिक कर्मचारियों को पुनरीक्षण अभियान में शामिल कर गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने, कार्य में कोताही बरते वाले अधिकारी और कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौक पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी राजकुमार पाण्डे, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरेंद्र चन्द्र सती, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी गीता राम उनियाल मौजूद थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो-

वी आर बैक...

हुआस्टन, एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोंगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडेस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

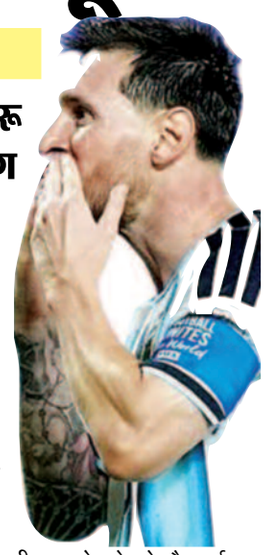

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने। उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

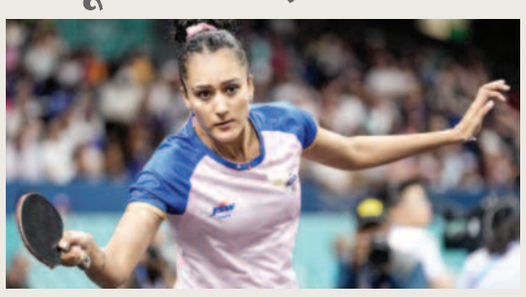

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

दुबई। भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वंय उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

राजस्थान रॉयल्स से भी मिला प्रस्ताव

राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और

जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डार्सी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।